भारत-ब्रटिेन मुक्त व्यापार समझौता वार्ता

प्रलिम्सि के लयि:

भारत-ब्रटिेन मुक्त व्यापार समझौता (FTA, भारत-ब्रटिेन मुक्त व्यापार समझौता (FTA) यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA), बौद्धकि संपदा अधकिार (IPR)

मेन्स के लयि:

भारत-ब्रटिेन मुक्त व्यापार समझौता वार्ता

चर्चा में क्यों

भारत और ब्रटिेन वर्तमान में **भारत-ब्रटिेन** मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के लयि चल रही **वार्ता में ववािदास्पद मुद्दों को हल करने में** लगे हुए हैं।

- यह व्यापक व्यापार सौदा भारत के लयि अत्यधकि महत्त्व रखता है क्योंकि यह आगामी व्यापार समझौतों के लयि एक टेम्पलेट के रूप में काम करेगा, जसिमें यूरोपीय संघ और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) देशों (जैसे, आइसलैंड, लकिटेंस्टीन, नॉर्वे और स्वटि्ज़रलैंड) के साथ समझौते शामलि होंगे।

वार्ता के अंतर्गत ववादास्पद मुद्दे:

- **बौद्धकि संपदा अधकिार:** बौद्धकि संपदा अधकिार (IPR) में भारत जीवन रक्षक जेनरकि दवाओं के उत्पादन पर कोई समझौता नहीं करना चाहता है।
- **वैश्वकि मूल्य शृंखला** (**GVC**): वैश्वकि मूल्य शृंखलाओं से जुड़ी जटलिताओं को दूर करने एवं **भारत के लयि अनुकूल परणािम सुनश्चिति करने** पर चर्चा चल रही है।
- **डजिटिल व्यापार:** डजिटिल व्यापार और डेटा संरक्षण के क्षेत्र में भारत द्वारा अभी भी **अपने घरेलू कानूनों को मज़बूत कयिा जाना शेष** है, इसलयि वह प्रतबिद्धताओं को पूरा नहीं करना चाहता है।
- **उत्पत्ता के नयिम (ROO):** ROO, जो कसिी उत्पाद का राष्ट्रीय स्रोत नर्धारति करता है, FTA वार्ता में एक ववादास्पद मुद्दा रहा है।
  - ये व्यापार वार्ताओं हेतु महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि **देश आयात के स्रोत के आधार पर उत्पादों पर शुल्क या प्रतबिंध** लगाते हैं।
  - भारत यह सुनश्चिति करने के लयि **सख्त नयिम बनाना चाहता है** कि तीसरे देश FTA का अनुचति लाभ न उठाएँ।
- **श्रम और पर्यावरण**: श्रम और पर्यावरण प्रतबिद्धताएँ प**हली बार की जा** रही हैं तथा उन्हें ऐसे तरीके से कयिा जाना चाहयि जो भारत के लयि प्रतकिूल न हो।
  - भारत ने अकेले बहुत प्रगति की है और **वह अतरिकि्त शर्तें नहीं चाहता**।
  - दूसरी ओर ब्रटिन अ**धकि कठोर IPR, मुक्त सीमा पार डेटा प्रवाह एवं डेटा स्थानीयकरण के खलिाफ नयिम, उदार ROO** तथा श्रम और पर्यावरण के क्षेत्रों में **प्रतबिद्धता चाहता है।**

भारत-ब्रटिन मुक्त व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि:

- वर्ष 2022 में भारत और ब्रटिन ने औपचारकि मुक्त व्यापार समझौता (FTA) **वार्ता** शुरू की थी। दोनों देश एक अंतरमि मुक्त व्यापार क्षेत्र पर वचिार कर रहे हैं, जसिके परणािमस्वरूप अधकिांश वस्तुओं पर टैरफि कम हो जाएगा।
- दोनों देश चुनदिा सेवाओं के लयि नयिमों को आसान बनाने के अलावा वस्तुओं के एक छोटे समूह पर टैरफि कम करने हेतु **शीघ्र फसल योजना या सीमति व्यापार समझौते प**र सहमत हुए।
- इसके अलावा वे **"संवेदनशील मुद्दों"** से बचने और उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रति करने पर सहमत हुए जहाँ अधकि पूरकता है।
- व्यापार वार्ता में कृषि और डेयरी क्षेत्र को भारत के लयि संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।
- साथ ही **वर्ष 2030 तक भारत और ब्रटिन (UK)** के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया।

मुक्त व्यापार समझौता:

- यह **दो या दो से अधकि देशों के बीच आयात और नर्यात की बाधाओं को कम करने** के लयि एक समझौता है।
- मुक्त व्यापार नीति के तहत **वस्तुओं और सेवाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार** बहुत कम या बनिा कसिी सरकारी टैरफि, कोटा, सब्सडिी या वनिमिय के साथ खरीदा और बेचा जा सकता है।
- मुक्त व्यापार की अवधारणा **व्यापार संरक्षणवाद या आर्थकि अलगाववाद के वपिरीत** है।
- FTA को अधमिान्य व्यापार समझौते, व्यापक आर्थकि सहयोग समझौते, व्यापक आर्थकि साझेदारी समझौते (CEPA) के रूप में वर्गीकृत कयिा जा सकता है।

भारत-ब्रटिन व्यापार संबंध:

- वर्ष 2007 और 2019 के बीच भारत और ब्रटिन के बीच व्यापार "दोगुने से अधकि" हुआ।
- भारत वर्ष 2022 के अंत तक **ब्रटिन का 12वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार** था। यह ब्रटिन के कुल व्यापार का 2.0% था।
- भारत **वस्तुओं** के मामले में **ब्रटिन का 13वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार** था तथा **सेवाओं** के मामले में यह **10वाँ सबसे बड़ा भागीदार** था।
- वर्ष 2022-23 में भारत-ब्रटिन द्वपिक्षीय व्यापार 16% बढ़कर **20.36 बलियिन अमेरकिी डॉलर** का हो गया।

भारत और ब्रटिन के बीच FTA का महत्त्व:

- **वस्तुओं का नर्यात बढ़ाना:** ब्रटिन के साथ व्यापार सौदे में वस्त्र, चमड़े का सामान और जूते जैसे **व्यापक स्तर पर रोज़गार उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों में नर्यात को बढ़ावा** दयिा जा सकता है।
  - भारत की 56 समुद्री इकाइयों को मान्यता मलिने से समुद्री उत्पादों के नर्यात में भी भारी उछाल आने की उम्मीद है।
- **सेवा व्यापार पर स्पष्टता:** FTA से **नश्चितिता, पूर्वानुमेयता और पारदर्शति** की उम्मीद है तथा यह एक **अधकि उदार, सुवधिाजनक और प्रतस्पिर्द्धी सेवा व्यवस्था** बनाएगा।
  - आयुष और ऑडियो-वजि़ुअल सेवाओं सहति IT/ITES, नर्सगि, शक्षिा, स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में नर्यात बढ़ाने की भी काफी संभावनाएँ हैं।
- **RCEP से बाहर होना:** भारत नवंबर 2019 में क्षेत्रीय व्यापक आर्थकि भागीदारी **(Regional Comprehensive Economic Partnership-RCEP)** से बाहर हो गया।

- इसलिये **अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ व्यापार सौदों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है,** जो भारतीय निर्यातकों के लिये प्रमुख बाज़ार हैं तथा अपने निष्कर्षण/सोर्सिंग में विविधता लाने के इच्छुक हैं।

- **रणनीतिक लाभ:** ब्रिटेन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और **भारत के रणनीतिक साझेदारों** में से एक है।
  - व्यापार के साथ संबंधों को मज़बूत करने से **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** के लद्दाख क्षेत्र में **चीन के साथ गतिरोध** और **UNSC में स्थायी सीट के दावे** जैसे वैश्विक मुद्दों पर ब्रिटेन का समर्थन मिलेगा।

आगे की राह

- भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के लिये चल रही वार्ता भारत के व्यापार संबंधों के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR),** वैश्विक मूल्य शृंखला, डिजिटल व्यापार और उत्पत्ति के नियमों जैसे **विवादास्पद मुद्दों** को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- सतर्क दृष्टिकोण और वार्ता की धीमी गति अपने हितों की रक्षा करते हुए **एक व्यापक सौदा हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।**
- इन वार्ताओं के निष्कर्ष **भारत में भविष्य के व्यापार समझौतों** को आकार देंगे, जिससे यह सावधानीपूर्वक विचार और रणनीतिक निर्णय लेने में सक्षम बन जाएगा।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. यू.एस.ए

उपर्युक्त में से कौन-कौन आसियान (ए.एस.इ.ए.एन.) के 'मुक्त-व्यापार भागीदारों' में से हैं?

(a) केवल 1, 2, 4 और 5
(b) केवल 3, 4, 5 और 6
(c) केवल 1, 3, 4 और 5
(d) केवल 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-uk-free-trade-agreement-negotiations